अंक योजना
अति गोपनीय
(केवल आंतरिक और सीमित उपयोग हेतु)
सेकंडरी स्कूल वार्षिक परीक्षा, 2026 (X)
विषय – सामाजिक विज्ञान (087)
पेपर कोड– 32/2/1

सामान्य निर्देश:-

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में आकलन प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2.	**मूल्यांकन प्रक्रिया गोपनीय नीति का एक हिस्सा है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
3.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का नियमतः पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं अथवा नवाचारी हैं, यदि वह ठीक है उसका मूल्यांकन कर उसे उचित अंक प्रदान करें अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 10वीं कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन परीक्षार्थियों द्वारा सही योग्यता प्रदर्शित की गई हो तो उसे उचित अंक प्रदान कीजिए।
4.	प्रश्न पत्र को चार (04) खंडों में विभाजित किया गया है, अर्थात् खंड–क, खंड–ख, खंड–ग और खंड–घ। खंड–क इतिहास है, खंड–ख भूगोल है, खंड–ग राजनीति विज्ञान है और खंड–घ अर्थशास्त्र हैं 1- उत्तर लिखने के लिए विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान की उत्तर–पुस्तिका को 04 खंडों में विभाजित करेंगे। 2- प्रश्नों के उत्तर केवल संबंधित खंड के लिए निर्धारित स्थान के भीतर ही लिखे जाने हैं। 3- किसी एक खंड का उत्तर किसी अन्य खंड में नहीं लिखा जाना चाहिए और न ही उसके साथ मिलाया जाना चाहिए। 4- यदि उत्तर आपस में मिल जाते हैं, तो उनका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और कोई अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। 5- परिणाम घोषित होने के बाद सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान भी ऐसी गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उन पर कोई विचार किया जाएगा।
5.	अंक– योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर नहीं हैं । विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक प्रदान किए जाने चाहिए।
6.	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । यदि मूल्यांकन में अंतर है तो चर्चा एवं संवाद से उसे अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएं कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतरों को समाप्त किया जा चुका है।
7.	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। बहुधा मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का चिन्ह नहीं लगाते जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे सामान्य गलती है जो मूल्यांकनकर्ता लगातार कर रहे हैं।

8.	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
9.	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
10.	यदि किसी परीक्षार्थी ने एक प्रश्न को दुबारा हल किया है , तो अधिक अंक वाले प्रयास की गणना मूल्याकंन के लिए किया जाना चाहिए। अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए।
11.	एक ही प्रकार की गलतियों के लिए संचयी प्रभाव से अंक नहीं काटा जाए। इसके लिए लिए केवल एक बार अंक काटा जाएगा।
12.	अंकों का एक पूर्ण पैमाने .....80..... (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
13.	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
14.	सुनिश्चित करें कि पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियों को आप नहीं दोहराएँः • उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। • किसी उत्तर के लिए निश्चित किए गए अंक से अधिक अंक प्रदान करना। • एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नवार गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। • उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। • उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15.	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16.	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
17.	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा–निर्देशों में दिए गए दिशा–निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।
18.	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों को शब्दों में लिखा गया है।.
19.	बोर्ड उम्मीदवारों के आवेदक के अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और संबंधित शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी प्रदान करता है। मुख्य परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंक योजना

विषयः सामाजिक विज्ञान (087) 2026

कक्षाः दसवीं

पेपर कोड 32/2/1

सेट 1

अधिकतम अंकः 80

प्र सं.		अपेक्षित मूल्य बिन्दु	पृष्ठ सं.	अंक
		खण्ड क **(इतिहास)**		**20**
1.	(C)	आयरलैंड	**55**	**1**
2.	(D)	II,IV,III,I	**106–120**	**1**
3.	(A)	अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।	**12**	**1**
4.	(A)	भीमराव अम्बेडकर और महात्मा गाँधी	**44**	**1**
5.	(C)	जर्मेनिया **निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 5 के स्थान पर है।** (C) हंगरी	**25** **18**	**1** **1**
6.	(B)	चेचक	**55**	**1**
7.		**(क)उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान पोलैंड में राष्ट्रवाद के विकास में भाषा की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।** (i) रूसी कब्ज़े के बाद, पोलिश भाषा को स्कूलों से बलपूर्वक हटा दिया गया और रूसी भाषा को हर जगह जबरन लादा गया। (ii) पोलैंड में कई पादरियों ने राष्ट्रवादी विरोध के लिए भाषा को एक हथियार बनाया। (iii) चर्च के आयोजनों और संपूर्ण धार्मिक शिक्षा में पोलिश भाषा का इस्तेमाल किया जाने लगा। (iv) पोलिश भाषा रूसी प्रभुत्व के विरूद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।** **अथवा**	**15**	**3X1=3**

	(ख) 1815 की वियना संधि के मुख्य प्रावधानों का विश्लेषण कीजिए। (i) राजशाही को पुर्नःस्थापित किया गया। (ii) फ्रांस में बूर्बों वंश को सत्ता में पुनः बहाल किया गया। (iii) फ्रांस ने नेपोलियन शासन के दौरान अधीन किए क्षेत्रों को खो दिया। (iv) भविष्य में फ्रांस के विस्तार को रोकने के लिए फ्रांस की सीमाओं पर कई राज्यों की स्थापना की गई। (v) उत्तर में नीदरलैंड्स राज्य को स्थापित किया गया जिसमें बेल्जियम भी शामिल था। (vi) दक्षिण में जेनोआ को पीडमोंट में जोड़ दिया गया। (vii) प्रशा को उसकी पश्चिमी सीमाओं पर महत्वपूर्ण नए इलाके दिए गए। (viii) प्रशा को सैक्सनी का एक हिस्सा प्रदान किया गया। (ix) ऑस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियंत्रण सौंपा गया। (x) रूस को पोलैंड का एक हिस्सा दिया गया। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	10–11	**3X1=3**
8.	**(क) "सविनय अवज्ञा आंदोलन में महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) गांधीजी के नमक सत्याग्रह के दौरान, हज़ारों महिलाएँ अपने घरों से बाहर निकलीं। (ii) उन्होंने जूलूसों में हिस्सा लिया। (iii) उन्होंने नमक बनाया। (iv) उन्होंने विदेशी कपड़ों का बहिष्कार किया। (v) उन्होंने शराब की दुकानों की पिकेटिंग की। (vi) बहुत सारी महिलाएँ जेल गईं। (vii) वे राष्ट्र की सेवा को पवित्र दायित्व मानने लगीं। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित है।**	42–43	**5X1=5**
	अथवा **(ख) "भारतीय लोक–कथाओं को पुनर्जीवित करने से भारत में राष्ट्रवाद सुदृढ़ हुआ।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।** (i) ब्रिटिश सांस्कृतिक दबदबे का सामना करने व भारतीय संस्कृति के अनूठेपन से परिचित करवाने के लिए भारतीय लोककथाओं को पुर्नजीवित करना आवश्यक था। (ii) लोककथाओं ने राष्ट्रवाद को बनाने में अहम भूमिका निभाई। (iii) राष्ट्रवादियों ने भाटों और चारणों द्वारा गाई–सुनाई जाने वाली लोक कथाओं को दर्ज करना शुरू कर दिया। (iv) वे लोक गीतों व जनश्रुतियों को इकट्ठा करने के लिए गाँव–गाँव घूमने लगें। (v) उनका मानना था कि ये कहानियाँ पारंपरिक संस्कृति की सही तसवीर दिखाती हैं। (vi) अपनी राष्ट्रीय पहचान खोजने के लिए इस लोक परंपरा को बचाकर रखना ज़रूरी था।	47–48	**5X1=5**

	(vii) इसने अपने अतीत पर गर्व की भावना को वापस लाने में मदद की। (viii) रवींद्रनाथ टैगोर ने बंगाल में लोक परंपराओं के पुनोरूत्थान आंदोलन का नेतृत्व किया। (ix) उन्होंने राष्ट्रीय पहचान और स्थानीय संस्कृति को महत्वत्ता प्रदान करने के लिए गाथागीतों, बालगीतों और मिथकों को इकट्ठा किया । (x) मद्रास में, नटेसा शास्त्री ने तमिल लोक कथाओं को चार खंडों, "द फोकलोर्स ऑफ़ सदर्न इंडिया" प्रकाशित किया। (xi) लोकगीतों को राष्ट्रीय साहित्य माना जाता है। (xii) यह लोगों के असली विचारों और विशिष्टताओं की सबसे विश्वसनीय अभिव्यक्ति है। (xiii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित है।**		
9.	दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **'प्रिंट और प्रतिबंध'** *1857 के विद्रोह के बाद प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति औपनिवेशिक सरकार का रवैया बदल गया। क्रुद्ध अंग्रेजों ने 'देसी' प्रेस का मुँह बंद करने की मांग की। ज्यों – ज्यों भाषाई समाचार पत्र राष्ट्रवाद से समर्थन में मुखर होते गए, त्यों – त्यों औपनिवेशिक सरकार ने कड़े नियंत्रण के प्रस्ताव पर बहस तेज होने लगी। आइरिश प्रेस कानून के तर्ज पर 1878 में 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' लागू किया गया। इससे सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रपट और संपादकीय को सेंसर करने का व्यापक हक मिल गया। अब से सरकार ने विभिन्न प्रदेशों से छपनें वालें भाषाई अखबारों पर नियमित नजर रखनी शुरू कर दी। अगर किसी रपट को बागी करार दिया जाता था तो अखबार को पहले चेतावनी दी जाती थी, और अगर चेतावनी अनसुनी हुई, तो अखबार को जब्त किया जा सकता था ओर छपाई की मशीनें छीन ली जा सकती थी।* **(9.1) 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' का प्रेरणा स्रोत कौन –सा एक्ट था?** **1** आइरिश प्रेस कानून **(9.2) औपनिवेशिक सरकार प्रेस की स्वतंत्रता की पक्षधर क्यों नहीं थी?** **1** (i) भारतीय समाचार पत्र राष्ट्रवाद के समर्थन में मुखर होते जा रहे थे। (ii) औपनिवेशिक सरकार द्वारा भारतीय समाचार पत्रों पर कड़े नियंत्रण स्थापित करने की बहस तेज हो गई। (iii) 1857 के विद्रोह के बाद, क्रुद्ध अंग्रेजों ने 'देशी प्रेस' का मुँह बंद करने की मांग की। (iv) औपनिवेशिक सरकार को क्रांतिकारी विचारों के प्रसार का भय था। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किसी एक बिन्दु का उल्लेख कीजिए।** **(9.3) वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट ने औपनिवेशिक सरकार को कौन–कौन सी दो शक्तियां प्रदान की?** **2x1=2** (i) इसने सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रपट और संपादकीय को सेंसर करने का व्यापक अधिकार प्रदान किया। (ii) सरकार ने समाचार पत्रों पर नियमित निगरानी रखना आरंभ कर दिया। (iii) बागी खबरों को छापने पर समाचार पत्रों को ज़ब्त किया जा सकता था। (iv) छपाई की मशीनों को भी ज़ब्त किया जा सकता था। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए।**	**127**	**1+1+2=4**

10.		**संलग्न मानचित्र को देखिए।** **'नोटः' निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 10 के स्थान पर हैं।** **(10.1) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ सितम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।** **1** कलकत्ता / कोलकाता **(10.2) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ महात्मा गांधी ने नील किसानों के आंदोलन का नेतृत्व किया।** **1** चंपारण		
		खण्ड ख **(भूगोल)**		**20**
11.	(D)	मेघालय	**28**	**1**
12.	(A)	नागरकोइल से मदुरै	**54**	**1**
13.	(D)	रबड़	**31**	**1**
14.		**(क) भारत में वनों के संरक्षण में समुदायों की भूमिका का वर्णन कीजिए।** (i) भारत में, वन कुछ पारंपरिक समुदायों का आवास है। (ii) राजस्थान के अलवर ज़िले के पाँच गाँवों के लोगों ने 1200 हेक्टेयर जंगल को "भैरोदेव डाकव सोंचुरी" घोषित कर दिया है। (iii) समुदाय किसी भी बाहरी दखल से वन्य जीवन की रक्षा कर रहे हैं। (iv) चिपको, बीज बचाओ आंदोलन और नवदानय जैसे आंदोलनों ने जंगल बचाने में अहम भूमिका निभाई है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	**16**	**2x1=2**
		अथवा **(ख) वनों और वन्यजीव के संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए किन्हीं दो कदमों का वर्णन कीजिए।** (i) भारतीय वन्यजीवन (रक्षण) अधिनियम 1972 में लागू किया गया। (ii) भारत में रक्षित जातियों की सूची प्रकाशित की गई। (iii) शिकार को प्रतिबंधित किया गया। (iv) 1973 में, प्रोजेक्ट टाइगर की शुरूआत की गई। (v) कई टाइगर रिज़र्वों की स्थापना की गई। (vi) 1988 में, ओडिशा में 'संयुक्त वन प्रबंधन' का पहला प्रस्ताव पास किया गया। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	**14—16**	**2x1=2**
15.		**भू–निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन प्रमुख कारकों की व्याख्या कीजिए।** (i) खनन के उपरांत खदानों वालें स्थानों को गहरी खाइयों और मलबें के साथ खुला छोड़ दिया जाता है। (ii) खनन के कारण वनोन्मूलन भूमि निम्नीकरण का कारण बनता है। (iii) देश के कई हिस्सों में अति पशुचारण भूमि निम्नीकरण का कारण है।	**6**	**3x1=3**

	(iv) अधिक सिंचाई भूमि निम्नीकरण का कारण हैं क्योकि इससे जलाक्रांतता के कारण मृदा में लवणीयता एवं क्षारीयता बढ़ जाती है। (v) चूना पत्थर को पीसना और मृदा बर्तन उद्योग में चूने (खड़िया मृदा) और सेलखड़ी के प्रयोग से बहुत अधिक मात्रा में वायुमंडल में धूल विसर्जित होती है।जब इसकी परत भूमि पर जम जाती है तो मृदा की जल सोखने की प्रक्रिया अवरूद्ध हो जाती है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित है।**		
16.	**(क) भारत में पटसन उद्योग अधिकांशतः पश्चिम बंगाल में अवस्थित होने के कारणों की व्याख्या कीजिए।** (i) पटसन उत्पादक क्षेत्रों की निकटता। (ii) सस्ता एवं सुदृढ़ जल परिवहन। (iii) कच्चे पटसन को संशोधित करने में प्रचुर जल की उपलब्धता। (iv) रेलवे व सड़क परिवहन की सुदृढ़ व्यवस्था। (v) सस्ते श्रमिकों की उपलब्धता। (vi) कोलकाता एक बड़े नगरीय केंद्र के रूप में बैंकिंग, बीमा और पटसन के सामान के निर्यात के लिए पत्तन की सुविधाएं प्रदान करता है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** **अथवा** **(ख) औद्योगिक प्रदूषण को कम करने हेतु उपायों की व्याख्या कीजिए।** (i) गर्म जल और अपशिष्ट पदार्थों को प्रवाहित करने से पहले उनका शोधन करना। (ii) यांत्रिक साधनों द्वारा प्राथमिक शोधन। (iii) जैविक प्रक्रियाओं द्वारा द्वितीयक शोधन। (iv) जैविक, रासयनिक और भौतिक प्रक्रियाओं द्वारा तृतीयक शोधन। (v) वायु में निलंबित प्रदूषण को कम करने के लिए कारखानों में ऊँची चिमनियों में एलेक्ट्रोस्टैटिक अवक्षेपण, स्क्रबर उपकरण तथा गैसीय प्रदूषक पदार्थों को जड़त्वीय रूप से पृथक करने के उपकरणों को लगाना। (vi) कारखानों में कोयले की जगह तेल और गैस का इस्तेमाल करके धुआं कम किया जा सकता है। (vii) मशीनों और उपकरणों का उपयोग और जनरेटर में साइलेंसर लगाए जाने चाहिए। (viii) ऊर्जा सक्षमता को बढ़ावा देने एवं ध्वनि प्रदूषण का कम करने के लिए मशीनरी को पुननिर्मित किया जाए। (ix) ध्वनि अवशोषण करने वाले उपकरणों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। (x) अपशिष्ट पदार्थों का न्यून उत्पादन। (xi) पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए हरित क्षेत्रों का निर्माण। (xii) पारिस्थितिकी संतुलन की नियमित निगरानी एवं समीक्षा को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। (xiii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	62 66	**5x1=5** **5x1=5**

17.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** ***'शस्य प्रारूप'*** *रबी फसलों को शीत ऋतु में अक्टूबर से दिसंबर के मध्य बोया जाता है और ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून के मध्य काटा जाता है। खरीफ फसलें देश के विभिन्न क्षेत्रों में मानसून के आगमन के साथ बोई जाती हैं और सितंबर–अक्टूबर में काट ली जाती हैं। रबी और खरीफ फसलों के बीच कम वर्षा में बोई जाने वाली फसल को 'जायद फसल' कहा जाता है।* **(17.1) चावल की कृषि किस प्रकार की कृषि – ऋतु का उदाहरण है? 1** खरीफ **(17.2) भारत में अप्रैल से जून के मध्य काटी जाने वाली किसी एक फसल का नाम लिखिए। 1** (i) गेहूँ (ii) जौ (iii) मटर (iv) चना (v) सरसों (vi) कोई अन्य **किसी एक फसल का उल्लेख अपेक्षित है।** **(17.3) किन्हीं दो जायद फसलों के नाम लिखिए। 2x1=2** (i) तरबूज (ii) खरबूज (iii) खीरा (iv) सब्जियों (v) कोई अन्य **किन्हीं दो फसलों का उल्लेख अपेक्षित है।**	32	**1+1+2=4**
18.	**संलग्न मानचित्र को देखिए।** **नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए संख्या 18 के स्थान पर हैं:** किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(18.1) महानदी पर स्थित एक प्रमुख बांध का नाम लिखिए। 1** हीराकुड बांध **(18.2) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ उत्तर प्रदेश में एक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क अवस्थित है। 1** नोएड़ा **(18.3) तमिलनाडु में स्थित एक प्रमुख समुद्री पत्तन का नाम लिखिए। 1** तूतीकोरिन/चेन्नई **(18.4) भारत के पूर्व – पश्चिम गलियारे का सबसे पूर्वी टर्मिनल स्टेशन का नाम लिखिए। 1** सिलचर **(यदि परीक्षार्थी 18.4 प्रश्न का उत्तर दिय है तो उसे 1 अंक प्रदान किया जाए।)**		

		खण्ड ग **(राजनीति विज्ञान)**		**20**
19.	(A)	केवल I, II और III सही हैं।	**48–49**	**1**
20.	(C)	a-iv, b-i ,c-iii, d-ii	**16–17**	**1**
21.	(B) (D)	सिंहली को राजभाषा घोषित करना/ सिंहलियों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता की नीति लागू करना। **यदि परीक्षार्थी ने दोनों में से किसी भी विकल्प का चयन किया है तो उसे अंक प्रदान किया जाए।**	**3**	**1**
22.	D	ऑस्ट्रेलिया	**15**	**1**
23.		**भारत में 'दलीय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) आंतरिक लोकतंत्र को मज़बूत किया जाना चाहिए। (ii) पैसों और अपराधी तत्वों की भूमिका पर रोक लगनी चाहिए। (iii) राजनीतिक दलों को मतदाताओं को उचित विकल्प उपलब्ध करवाना चाहिए। (iv) राजनीतिक दलों में सामान्य कार्यकत्ताओं को सत्ता में आने के सामान अवसर मिलने चाहिए। (v) राजनीतिक दलों के लिए यह अनिवार्य कर देना चाहिए कि वे कम से कम एक–तिहाई टिकट, महिला उम्मीदवारों को दें। (vi) नागरिक, दबाव समूह, आंदोलन, और मीडिया, राजनीतिक दलों पर चुनौतियों से निपटने के लिए दबाव डाल सकते हैं। (vii) इसे सामाजिक और क्षेत्रीय विभाजन को समाहित करने के योग्य होना चाहिए। (viii) भारत को अपनी सामाजिक और भौगोलिक विभिन्नताओं को ध्यान रखते हुए बहुदलीय व्यवस्था को सुदृढ़ करना चाहिए। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	**51–61**	**2x1=2**
24.		**''शिकायतों का बने रहना लोकतंत्र की सफलता की गवाही देता है।'' उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) एक लोकतंत्र में, लोगों की अधिक उम्मीदें होती हैं और कई शिकायतें होती हैं। (ii) वे अधिक मांग करते हैं और लोकतंत्र को और भी बेहतर बनाना चाहते हैं। (iii) यह प्रदर्शित करता है कि लोगों में अपने अधिकारों और व्यवस्था के प्रति जागरूकता विकसित हुई है। (iv) इससे प्रदर्शित होती है कि लोगों में सत्तारूढ़ और प्रभावशाली लोगों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालने की क्षमता विकसित हुई है। (v) सार्वजनिक अभिव्यक्ति लोगों को प्रजा की स्थिति से नागरिक की स्थिति में परिवर्तित कर देती है। (vi) अधिकांश व्यक्ति अब विश्वास करते हैं कि उनका मतदान सरकार के संचालन को प्रभावित करता है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	**72**	**2x1=2**

25.	**''भाषा के आधार पर प्रांत का गठन भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए पहली और एक कठिन परीक्षा थी।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) कुछ राष्ट्रीय नेताओं को भय था कि भाषावार राज्य बनाने से देश टूट जाएगा। (ii) आरंभ में, केंद्र सरकार ने कुछ समय तक भाषावार राज्यों की मांग को टाल दिया। (iii) नए राज्य बनाने के लिए भारत के कई पुराने राज्यों की सीमाओं में बदलाव किया गया। (iv) एक भाषा भाषी लोग एक राज्य में रहें इसलिए भाषावार राज्यों का निर्माण किया गया। (v) भारतीय एकता को कमज़ोर करने के बजाय, भाषावार राज्यों ने इसे मज़बूत करने में मदद की है। (vi) अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि कि भाषावार राज्य बनने से देश अधिक एकजुट हुआ है। (vii) इससे लोगों में लोकतंत्र में भरोसा मज़बूत हुआ है। (viii) इससे प्रशासन सुविधाजनक हुआ है। (ix) इससे लोगों का अपने चुने हुए प्रतिनिधियों पर भरोसा मज़बूत हुआ है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं का व्याख्या अपेक्षित है।**	19–20	**3x1=3**
26.	**(क) सत्ता में साझेदारी के बेल्जियम मॉडल एवं श्रीलंका मॉडल की तुलना कीजिए।** **बेल्जियम मॉडल** (i) बेल्जियम सरकार ने समायोजन के मॉडल को अपनाया। (ii) उन्होंने अपने देश की क्षेत्रीय अंतरों और सांस्कृतिक अंतरों को स्वीकार किया। (iii) उन्होंने 1970 और 1993 के बीच चार बार संवैधानिक बदलाव किए जिससे प्रत्येक व्यक्ति/समूह मिलजुलकर रह सकें। (iv) उन्होंने अलग–अलग समुदायों की भावनाओं और हितों का सम्मान किया। (v) राज्य सरकार केंद्र सरकार के अधीन नहीं हैं। (vi) फ्रेंच बहुसंख्यकों ने ब्रूसेल्स में राज्य स्तर की सरकार में डच और फ्रेंच मंत्रियों की समान संख्या स्वीकार की। (vii) बेल्जियम में डच बहुसंख्यकों ने केंद्र सरकार में फ्रेंच और डच मंत्रियों की समान संख्या स्वीकार की। (viii) एक तीसरी तरह की सरकार – 'सामुदायिक सरकार' ने यह सुनिश्चित किया कि जर्मन अल्पसंख्यक अलग–थलग महसूस न करे। (ix) समुदायिक सरकार तीनों नृजातिय समुहों के सांस्कृतिक, शिक्षा और भाषा से जुड़े विषयों पर कानून निर्माण करती है। (x) कोई भी समुदाय एकतरफ़ा निर्णय नहीं ले सकती। (xi) उन्होंने सत्ता में साझेदारी की व्यवस्था को आपसी सहमति प्रदान की। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु	3–5	**5x1=5**

	श्रीलंका का मॉडल (i) श्रीलंका की सरकार ने बहुसंख्यकवाद के मॉडल को अपनाया। (ii) उन्होंनें अपने क्षेत्रीय अंतरों और सांस्कृतिक विविधताओं को नज़रअंदाज़ किया। (iii) 1956 में बहुसंख्यक आबादी की इच्छा पूरी करने के लिए एक एक्ट पास किया गया। (iv) उन्होंने सिंहली को ही एकमात्र राजभाषा बना दिया। (v) सरकार ने विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों के लिए सिंहलियों को प्राथमिकता की नीति का अनुसरण किया। (vi) नए संविधान में यह प्रावधान किया गया कि राज्य बौद्ध धर्म को संरक्षण और बढ़ावा देगी। (vii) उन्होंने अल्पसंख्यकों की भावना को दबाया। (viii) उन्होंने सत्ता में भागीदार बनाने से मना कर दिया। (ix) श्रीलंका के तमिलों ने तमिल को राजभाषा के तौर पर मान्यता दिलाने, क्षेत्रीय स्वायतता की मांग और शिक्षा और रोजगार में समान अवसरों के लिए संघर्ष किया। (x) 1980 के दशक तक, कई राजनीतिक संगठनों ने एक अलग तमिल ईलम (राज्य) की मांग की। (xi) दोनों समुदायों के बीच अविश्वास एक गृहयुद्ध में बदल गया जो 2009 में खत्म हुआ। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के आधार पर तुलना अपेक्षित है।** **अथवा** **(ख) लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।** (i) यह सामाजिक समुदायों के मध्य टकराव की संभावना को कम कर देती है। (ii) यह राजनीतिक व्यवस्था के स्थायित्व को सुनिश्चित करती है। (iii) यह बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक समुदायों को शामिल करती है। (iv) यह लोकतंत्र की आत्मा है। (v) लोगों को यह अधिकार है कि उनसे सलाह ली जाए कि उन पर शासन किस प्रकार किया जाए। (vi) एक वैध सरकार वह होती है जहाँ नागरिक सहभागिता के माध्यम से व्यवस्था में हिस्सेदारी हासिल करते हैं। (vii) यह देश की एकता को मज़बूत करती है। (viii) यह लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को मज़बूत करती है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**6**	**5x1=5**

27.	दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: ***कितने राजनीतिक दल?*** *कई देशों में सिर्फ एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है। इस कारण उन्हें एकदलीय शासन – व्यवस्था कहा जाता है। कुछ देशों में सत्ता आमतौर पर दो मुख्य दलों के बीच ही बदलती रहती है। वहाँ अनेक दूसरी पार्टियाँ हो सकती है, वे भी चुनाव लड़कर कुछ सीटें जीत सकती हैं पर सिर्फ दो ही दल बहुमत पाने और सरकार बनाने के प्रबल दावेदार होते हैं। इसे दो – दलीय व्यवस्था कहा जाता है। जब अनेक दल सत्ता के लिए होड़ में हों और दो दलों से ज्यादा के लिए या तो अपने दम पर या दूसरों से गठबंधन करके सत्ता में आने का ठीक – ठाक अवसर हो तो इसे हम बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं।* **(27.1) 'बहुदलीय व्यवस्था' की प्रमुख विशेषता को स्पष्ट कीजिए। 1** (i) कई राजनीतिक दल सत्ता के लिए प्रस्पिर्धा करते है। (ii) दो से अधिक राजनीतिक दलों के पास अपनी शक्ति या दूसरों के साथ गठबंधन में सत्ता पाने की वास्तविक संभावना होती है। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।** **(27.2) 'एकदलीय शासन – व्यवस्था' क्यों लोकतंत्र के अनुरूप नहीं है?1** (i) ये नागरिकों को अपनी सरकार के चयन में विकल्पों से वंचित करती है। (ii) एक दलीय व्यवस्था लगभग तानाशाही व्यवस्था की तरह कार्य करती है। (iii) एक दलीय प्रणाली मतदाताओं को सार्थक विकल्प उपलब्ध नहीं करवाती है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **कोई एक बिंदु** **(27.3) गठबंधन सरकार की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।2x1=2** (i) एक बहु–पक्षीय प्रणाली में जब कोई एक पार्टी बहुमत वोट नहीं जुटा पाती, तो सरकार बनाने के लिए उसे अन्य पार्टियों का समर्थन लेना पड़ता है। (ii) यह प्रणाली विभिन्न हितों और विचारों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करती है। (iii) यह सरकार में किसी एक दल की मनमानी को रोकती है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		51	**1+1+2=4**
	खण्ड घ **(अर्थशास्त्र)**			**20**
28.	(C)	ओडिशा, बिहार, हरियाणा, केरल	**10**	**1**
29.	(D)	अभिकथन (A) गलत है, परंतु कारण (R) सही हैं।	**20**	**1**
30.	(B)	स्थानीय उद्योगों की रक्षा करने के लिए	**64**	**1**
31.	(B)	क्योंकि इसे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केन्द्र सरकार की ओर से जारी किया जाता है।	**40**	**1**
32.	(D)	भारतीय रेलवे	**33**	**1**
33.	(B)	उच्च प्रति व्यक्ति आय	**8**	**1**
34.	(B)	ऋणदाता के लिए ऋण सुरक्षित करना	**44**	**1**

35.	**प्रच्छन्न बेरोजगारी की उदारहण सहित व्याख्या कीजिए।** (i) अदृश्य बेरोज़गारी का अर्थ है कि आवश्यकता से अधिक लोग कार्य कर रहे हैं। (ii) अगर आप कुछ लोगों को निकाल भी दें, तो भी उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। (iii) इस तरह की बेरोज़गारी छिपी हुई होती है, जहाँ जिसके पास नौकरी नहीं होती और वह साफ़ तौर पर बेरोज़गार दिखता है। (iv) लोग काम तो कर रहे होते हैं, लेकिन उन सभी से उनकी क्षमता से कम काम करवाया जाता है। (v) हर कोई कुछ न कुछ काम कर रहा होता है, लेकिन कोई भी पूरी तरह से काम पर नहीं होता। (vi) श्रम प्रयास विभाजित हो जाता है। (vii) यह प्रायः कृषि संबंधित क्षेत्रक में पायी जाती है। (viii) इस प्रकार की बेरोजगारी अर्थव्यवस्था में द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रक में भी पाई जाती है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किसी एक बिन्दु की उचित उदाहरण के साथ व्याख्या अपेक्षित है।**	26	**2x1=2**
36.	**असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों के संरक्षण हेतु कोई तीन उपाय सुझाइए।** (i) उनके काम के लिए उचित और न्यूनतम वेतन कानून लागू होना चाहिए। (ii) स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मातृत्व उपादानों का नियमन होना चाहिए। (iii) नियोक्ता को सही उपकरणों के साथ सुरक्षित कामकाज के अवसर उपलब्ध करवाने चाहिए। (iv) नियमित जांच के माध्यम से श्रम कानूनों के पालन को सुनिश्चित किया जान चाहिए। (v) श्रमिकों को सस्ता चिकित्सीय उपचार और आपातकालीन सहायता मिलनी चाहिए। (vi) श्रमिकों को अपने अधिकारों और कानूनों के बारे में शिक्षित और जागरूक किया जाना चाहिए। (vii) श्रमिकों को कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जाने चाहिए। (viii) श्रमिकों के शोषण की स्थिति में नियोक्ता के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिए। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **कोई तीन सुझाव अपेक्षित हैं।**	30—32	**3x1=3**
37.	**'शरीर द्रव्यमान सूचकांक' को परिभाषित कीजिए। इसकी गणना करने की विधि की व्याख्या कीजिए।** **शरीर द्रव्यमान सूचकांक** 1 शरीर द्रव्यमान सूचकांक वह मापदण्ड है जिसका इस्तेमाल पोषण वैज्ञानिक यह पता लगाने के लिए करते हैं कि हमें ठीक से पोषण मिल रहा है या नहीं। **गणना का तरीका** 2 (i) इसकी गणना वज़न (kgs) ÷ ऊँचाई का वर्ग (मीटर्स में) के द्वारा की जाती हैं। (ii) अगर व्यक्ति की ऊँचाई सेंटीमीटर में है, तो उसे मीटर में बदलें और वज़न (kgs में) को ऊँचाई का वर्ग (m^2) से विभाजित कीजिए। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु	13	**1+2=3**

38. **(क) साख के औपचारिक एवं अनौपचारिक स्रोतों में अंतर स्पष्ट कीजिए।** 48—49 **5x1=5**

साख के औपचारिक स्रोत	साख के अनौपचारिक स्रोत
(i) भारतीय रिजर्व बैंक इनकी निगरानी करती है।	(i) इनकी कोई निगरानी नहीं करता।
(ii) ब्याज दर कम होती है।	(ii) उच्च ब्याज दर।
(iii) पुर्नभुगतान सरल होता है।	(iii) ऋण जाल में फंसने की संभावना अधिक होती है।
(iv) कर्जदार पर ऋण का कम भार।	(iv) कर्जदार पर ऋण भार अधिक।
(v) ऋण की शर्तें पूर्वनिर्धारित होती है।	(v) कभी – कभी ऋण की शर्तें पूर्वनिर्धारित नहीं होती है।
(vi) समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता होती है।	(vi) समर्थक ऋणाधार आवश्यक नहीं होता है।
(vii) बैंक, सहकारी समूह इसके प्रमुख स्रोत है।	(vii) मित्र, नियोक्ता, महाजन इसके प्रमुख स्रोत है।
(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु	(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु

अंतर के किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।

अथवा

(ख) 'स्वंय –सहायता समूहों' की कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए। 50—51 **5x1=5**

(i) स्वंय सहायता समूह का प्रमुख विचार गांव के निर्धनों, विशेषतः महिलाओं को एकत्र करना है।

(ii) एक सामान्य स्वंय सहायता समूह में 15–20 सदस्य होते हैं, जो आम तौर पर एक ही मोहल्ले के होते हैं।

(iii) ये सदस्य नियमित रूप से मिलते हैं और बचत करते हैं।

(iv) वे अपनी बचत करने की क्षमता के आधार पर 25 से 100रू या उससे अधिक जमा करते हैं।

(v) बचत और ऋण से संबंधित अधिकांश आवश्यक निर्णय समूह के सदस्य लेते हैं।

(vi) उद्देश्य, रकम, ब्याज़ दर, ऋण भुगतान की प्रक्रिया पर सदस्य ही निर्णय लेते हैं।

(vii) सदस्य अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए समूह से छोटे – छोटे ऋण ले सकतें हैं जैसे – गिरवी रखी जमीन को छुड़ाना, कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करना, घर बनाने आदि।

(viii) स्वंय सहायता समूह ऋण पर साहूकारों से कम ब्याज़ लेते हैं।

(ix) एक या दो साल बाद, अगर समूह नियमित बचत करते हैं, तो वह बैंक से ऋण लेने के पात्र हो जाता है।

(x) बैंक स्वंय सहायता समूहों को बिना समर्थक ऋणाधार के ऋण देने को तैयार होते हैं।

(xi) समूह की नियमित बैठकों में कई तरह के सामाजिक मुद्दों पर चर्चा होती है।

(xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु

किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।

प्रश्न सं. 10 और 18 के लिए 32/2/1/2/3 For questions no. 10 and 18

भारत का राजनीतिक रेखा-मानचित्र
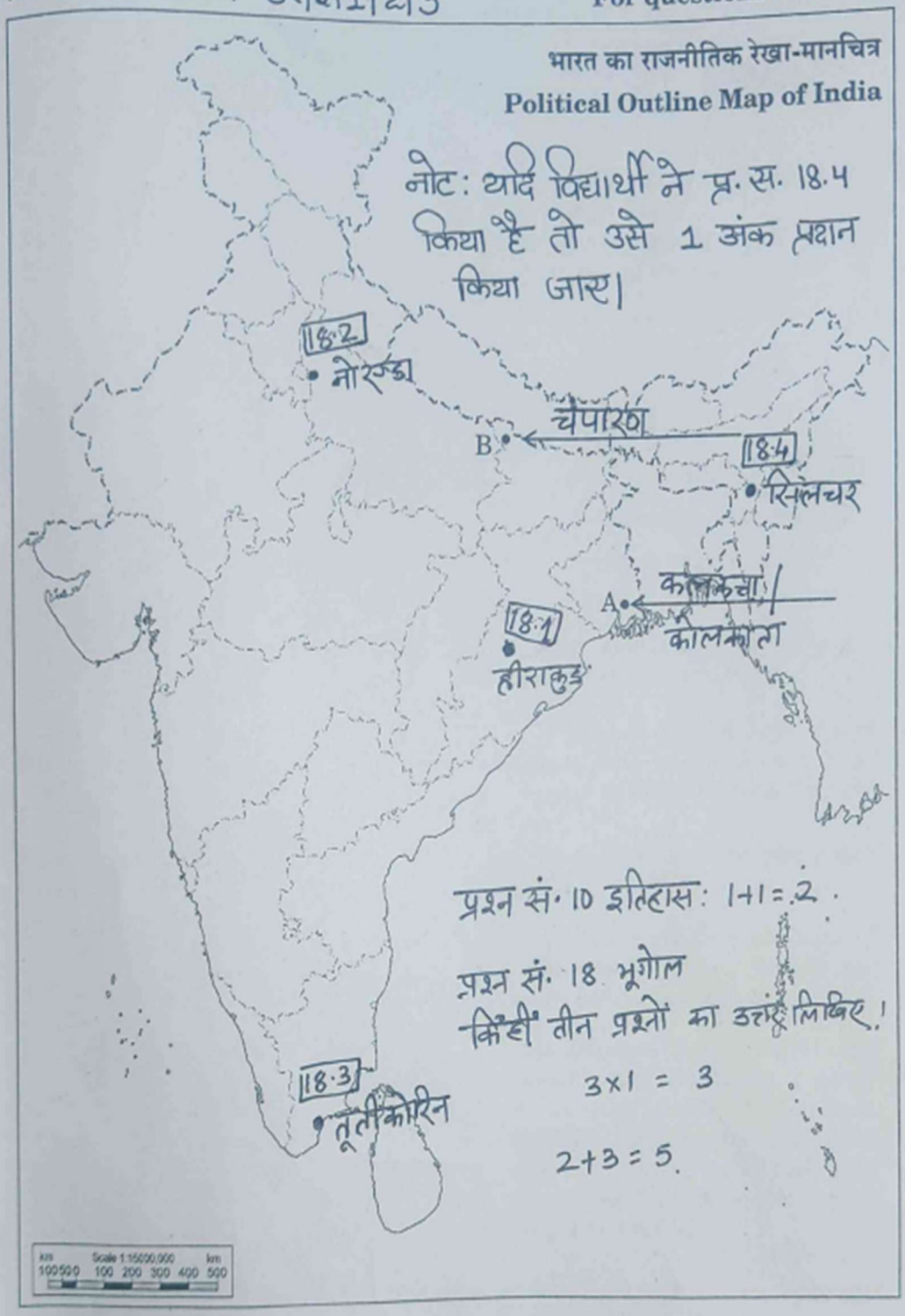
Political Outline Map of India